भजन

तर्ज–बड़ा बेदर्द जहां है

बड़ा बेदर्द जहां है,यहां पे चौन कहां है
मुझे ओ धाम वाले वापिस बुला ले

1–तुझ बिन मेरे सांवरे किसको मेरा पता
किसे सुनाऊ दास्तां कौन सुनेगा यहां
कोई मेरा न तेरे बिन तू ही मेरा लागे प्रीतम

2–जाग के आप तो देखते नींद में हमको यहां
ऐसा खेल दिखा दिया हमको था न पता
ये सपना तोड़ दे प्रीतम मुझे अब ले चल प्रीतम

3–और न कुछ मैं चाहती ,इक बस तेरे सिवा
चरणों में अब तो ले कर चल मुझको मेरे पिया
करो इक मेहर नजर तुम,मुझे अपना लो प्रीतम